Visit of Shri Radha Mohan Singh, Hon'ble Minister of Agriculture and Farmers' Welfare, Govt. of India and President, ICAR to ICAR-Indian Institute of Soil Science, Bhopal on 18 May, 2018

Shri Radha Mohan Singh, Hon'ble Minister of Agriculture and Farmers' Welfare, Govt. of India and President, ICAR visited ICAR-Indian Institute of Soil Science, Bhopal on May 18, 2018. The Hon'ble Minister took note of the progress and achievements of the institute and informed the Scientists and other staff of future challenges and priorities, keeping in view the goal of doubling farmer's income. Dr Ashok K. Patra, Director of the institute apprised the Hon'ble Minister about the achievements and on-going activities of the institute. Among other things, a mini lab of soil testing "*Mridaparikshak*" has been developed by the institute during the last four years which is a farmers' friendly technology for generating soil health cards at the farmer's doorstep. The mini lab has been widely adopted by state departments of agriculture, *Krishi Vigyan Kendras* and several other private organizations and NGOs. Besides, the institute has generated soil fertility maps of the country, a rapid technique of waste decomposition, and new fertilizer materials including nano-fertilizers. While reviewing the progress, the Hon'ble Minister emphasized on the importance of "Technology Demonstrations" to the farmers as farmers believe and practice what they see. He said that the institute should develop some part of its land as 'Model Farm' for showcasing the institute technologies towards increasing the farmers' income. He laid greater emphasis on befriending with farmers and being sensitive to farmers' needs and difficulties related to agriculture. He also urged the scientists to develop a hand-held device of rapid soil testing which could be accessible to farmers and other stake holders.

श्री राधा मोहन सिंह, माननीय मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार एवं अध्यक्ष, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का 18 मई 2018 को भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल का दौरा

श्री राधा मोहन सिंह, माननीय मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार एवं अध्यक्ष, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने 18 मई 2018 को भा.कृ.अनु.प.–भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल का दौरा किया। माननीय मंत्री ने संस्थान की प्रगति एवं उपलब्धियों की जानकारी ली और किसान की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भविष्य में आने वाली चुनौतियों एवं प्राथमिकताओं के बारे में वैज्ञानिकों एवं अन्य कर्मचारियों को अवगत कराया। संस्थान के निदेशक डॉ. अशोक के. पात्र ने माननीय मंत्री जी को संस्थान की उपलब्धियों एवं चल रही गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। अन्य उपलब्धियों के अलावा संस्थान ने पिछले चार वर्षों के दौरान मिट्टी परीक्षण के लिए "मृदापरीक्षक" – एक लघु प्रयोगशाला विकसित की है जो किसानों के अनुकूल प्रोद्योगिकी है एवं किसान के द्वार पर ग्राम स्तर पर मिट्टी की जाँच कर मृदा स्वास्थ्य कार्ड का निर्माण करने में सहायक है। इस लघु प्रयोगशाला को कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्रों और कई अन्य निजी संगठनों और गैर–सरकारी संगठनों द्वारा व्यापक रूप से अपनाया गया है। इसके अलावा मृदा उर्वरता मानचित्र, अपशिष्ट अपघटन हेतु रैपिड कम्पोस्टिंग तकनीक और नैनो–उर्वरकों सहित नई उर्वरक सामग्री विकसित की है। प्रगति की समीक्षा करते समय माननीय मंत्री जी ने किसानों को "प्रोद्योगिकी प्रदर्शन" के महत्व पर बल देते हुए अवगत कराया कि किसान जो भी नवीन तकनीक का लाभ देखते हैं उसको अपनाते हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान को किसानों की आय को बढ़ाने के लिए संस्थान में प्रोद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए अपनी भूमि का कुछ हिस्सा 'मॉडल फार्म' के रूप में विकसित करना चाहिए। उन्होंने किसानों के साथ मित्रता करके किसानों की आवश्यकताओं एवं कृषि से संबंधित कठिनाइयों के प्रति अधिक संवेदनशील होने पर जोर दिया। उन्होंने वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि वे तेजी से मिट्टी परीक्षण करने में सक्षम हाथ में लेकर काम करने योग्य आसान उपकरण विकसित करें जो कि किसानों एवं अन्य हितधारकों के लिए सुलभ हो।